

negative policy, and that positive policy is to see that in the matter of giving advertisements, the small and medium papers, particularly in the Indian languages, are in a way favoured.

#### SHORT NOTICE QUESTION

#### Resignation of Deputy Chairman, Planning Commission

S.N.Q. 3. SHRI TEJ PRATAP SINGH: Will the PRIME MINISTER be pleased to state whether the Deputy Chairman, Planning Commission of India has resigned from his post or not?

THE PRIME MINISTER (SHRI MORARJI DESAI): Shri P. N. Haksar has submitted his resignation as Deputy Chairman, Planning Commission, but he has been requested to continue for sometime more to enable Government to make suitable alternative arrangements.

श्री तेज प्रताप सिंह : क्या प्रधान मंत्री जी यह बताने की कृपा करेंगे कि नये वर्ष के नये बजट में नई नीतियों के समावेश किये जाने के लिए नये प्रावधान करने होंगे, तो उस के सम्बन्ध में योजना आयोग के समस्त सदस्यों तथा उपाध्यक्ष, जिन का योगदान बजट में होता है, का शीघ्रातिशीघ्र परिवर्तन करने के लिए कब तक कदम उठाएंगे ?

श्री मोरारजी देसाई : जितनी जल्दी हो सकेगा, हम करेंगे ।

श्री तेज प्रताप सिंह : क्या प्रधान मंत्री जी यह बताने की कृपा करेंगे कि हमारे देश में क्या ऐसे नियमों को अनिवार्यता नहीं

है कि नई सरकार के आते ही योजना आयोग के उपाध्यक्ष, सभी सदस्य, राजदूत और गवर्नरों को इस्तीफे दे देने चाहिए ? यदि ऐसे कुछ नियम नहीं हैं तो जो जनतांत्रिक देशों में स्वस्थ परम्परा और पद्धति है, उस को ध्यान में रखते हुए क्या ऐसे नियम लागू करने की कृपा करेंगे कि नई सरकार के आते ही ऐसे सारे लोग इस्तीफा दे दें ।

श्री मोरारजी देसाई : दूमरों की नकल करने की हमें जरूरत नहीं है ।

श्री रामधारी शास्त्री : क्या ऐसा तो नहीं है कि उन का इस्तीफा न स्वीकार करने की बात हो ?

श्री मोरारजी देसाई : वे रहना नहीं चाहते हैं ।

श्री सरब यादव : आपात काल की वस की ड्राइवर प्रधान मंत्री, श्रीमती इन्दिरा गांधी थीं और हस्कर साहब और ये सारे लोग उन के सेनापति थे । जब इन चुनावों ने आपात काल की वस के ड्राइवर को बाहर निकाल फेंक दिया है, तो मैं आपके द्वारा प्रधान मंत्री जी से कहना चाहता हूँ कि इन को भी निकाला जाय और उन का रेजिगनेशन जल्दी से मंजूर किया जाए । (व्यवधान)

श्री मोरारजी देसाई : तत्काल इस्तीफा मंजूर करने से हाँ पर कुछ रहेगा नहीं । इसलिए जो कुछ करना है, वह सोच-विचार कर करना है । सब बातों को सोच कर इस का निर्णय करेंगे ।